सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 193 | जौनपुर, बुधवार, 10 अप्रैल 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

सपा–कांग्रेस गठबंधन की जमानत होगी जब्त – केशव मौर्य

गोंडा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को गोंडा और बस्ती में लोकसभा वालंटियर्स सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सपा–कांग्रेस गठबंधन की जमानत जब्त होने जा रही है। यूपी की जनता सपा सरकार की गुंडई और अपराधीकरण को भूली नहीं है। अब अखिलेश यादव दोबारा मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे। इस बार तो वे जीरो पर आउट होने वाले हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को भ्रष्टाचार मुक्त करने का वादा किया है। भ्रष्टाचार करने वालों के घरों पर छापे पड़ रहे हैं, तो वह चिल्लाते हैं। 10 साल तो अभी लोगों ने ट्रेलर देखा है। 4 जून के बाद विपक्षी दल के लोग पिक्चर देखेंगे। जिन्होंने भ्रष्टाचार किया है, उन पर कठोर कार्रवाई होगी। भ्रष्टाचारियों को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव बहुत गंभीर तनाव में हैं, वह चुनाव हार रहे हैं। सपा का खाता खुलने वाला नहीं है, उनका वर्तमान भी अंधकार में है और भविष्य भी अंधकार में है। उनके गुंडे जो बड़े–बड़े अपराधी हैं, वो जेल जा चुके हैं। जब देश में राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार थी, संसद में खड़े होकर के यह लोग कहते थे कि हम दिल्ली से अगर 1 रुपए भेजते हैं तो जनता के पास 15 पैसा पहुंचता है। मोदी सरकार में पैसा सीधा जनता के खाते में पहुंचता है।

दिल्ली हवाई अड्डे पर 'परमाणु बम' की धमकी को लेकर दो यात्रियों को रोका गया

नयी दिल्ली, एजेसी। दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर 'परमाणु बम' साथ ले जाने का उल्लेख करने पर दो यात्रियों को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोक लिया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने इससे पहले बताया था कि दोनों यात्रियों को गिरफ्तार किया गया था और बाद में जमानत दे दी गई। पुलिस ने बताया कि घटना पांच अप्रैल की है जब गुजरात के राजकोट निवासी जिग्नेश मलानी और कश्यप कुमार ललानी ने अहमदाबाद जाने वाली उड़ान में सवार होने से पहले सुरक्षा कर्मचारियों द्वारा जांच किए जाने पर आपत्ति जताई। विमानन कंपनी के एक अधिकारी की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी के मुताबिक दोनों ने सुरक्षाकर्मी से कहा, ''तुम क्या करोगे अगर मैं कहूं कि परमाणु बम ले जा रहा हूं।'' कि मलानी और ललानी को विमान एवं उसमें सवार यात्रियों के लिए खतरा पैदा करने पर रोक लिया गया। पुलिस उपायुक्त (इंदिरा गांधी हवाई अड्डा) उषा रंगानी ने कहा कि जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी निर्माण क्षेत्र में ठेकेदार हैं।

भारत के लिए आज कुछ भी असंभव नहीं रह गया - पीएम मोदी

उत्तर प्रदेश, संवाददाता। पीएम नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में बीजेपी की रैली को संबोधित किया। उन्होंने वरुण गांधी की जगह लेने वाले जितिन प्रसाद के लिए प्रचार किया। उन्होंने कहा कि जब नीयत सही होती है, हौसले बुलंद होते हैं, तो नतीजे भी सही मिलते हैं। आज हम चारों तरफ विकसित भारत का निर्माण होते हुए देख रहे हैं। मोदी ने कहा कि सारी दुनिया की मुश्किलों के बीच भारत आज दिखा रहा है कि उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं है। कभी कांग्रेस सरकारें दुनिया से मदद मांगती थीं, लेकिन कोरोना के महासंकट में भारत ने पूरी दुनिया में दवाइयां और वैक्सीन भेजी। उन्होंने दावा किया कि दुनिया में कहीं भी युद्ध का संकट आया, हम एक–एक भारतीय को सुरक्षित वापस लाए। अफगानिस्तान से गुरु ग्रंथ साहिब के ग्रंथों को पूरी श्रद्धा से भारत लाए और ये सब आपके एक वोट की ताकत से हुआ है।

मोदी ने कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस के 14 साल में जितने रुपये गन्ना किसानों को मिले थे, उससे ज्यादा रुपये योगी जी की सरकार यहां गन्ना किसानों को दे चुकी है। देश में इथेनॉल सम्मिश्रण को लेकर जो बड़ा अभियान चल रहा है, उससे भी पीलीभीत के किसानों को बड़ा फायदा होने वाला है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने गन्ना किसानों की परेशानी को कम करने के लिए पूरी ताकत से काम किया है। कई चीनी मिलें खुलीं है, कई का विस्तार हुआ है और ये काम लगातार किया जा

रहा है। उन्होंने कहा कि पीलीभीत की धरती पर माता यशवंतरी देवी का आशीर्वाद है। यहां आदि गंगा मां गोमती का उद्गम स्थल है। आज नवरात्रि के पहले दिन मैं देश को ये भी याद दिला रहा हूं कि कैसे इंडी गठबंधन ने शक्ति को खत्म करने की सौगंध खाई है। आज देश में जिस शक्ति की पूजा हो रही है, उस शक्ति का कांग्रेस ने घोर अपमान किया है। जिस शक्ति के आगे हम शीश झुकाते हैं, उस शक्ति को उखाड़ फेंकने की बात ये कांग्रेस के नेता कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे कल्याण सिंह जी ने राम मंदिर के लिए अपना जीवन और सरकार समर्पित कर दी। देश के हर परिवार ने अपनी–अपनी श्रद्धा के अनुसार योगदान दिया। लेकिन इंडी गठ बंधन वालों को राम मंदिर के निर्माण से पहले भी नफरत थी और आज भी नफरत है। मोदी ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर न बने इसके लिए कांग्रेस ने लाख कोशिश की, लेकिन जब देश की जनता ने पाई–पाई देकर इतना भव्य मंदिर बना दिया।

सुप्रीम कोर्ट वीवीपैट पर्ची वाले वोट के सत्यापन से संबंधित याचिकाओं पर जल्द ही करेगा सुनवाई

नई दिल्ली, एजेसी। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यह 'वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल' (वीवीपैट) पर्ची वाले मतों का सत्यापन किये जाने का अनुरोध करने वाली याचिकाओं के एक समूह पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगा।

'वीवीपैट' स्वतंत्र रूप से वोट का सत्यापन करने वाली प्रणाली है जो मतदाता को यह देखने की अनुमति देती है कि उसका वोट उसी उम्मीदवार को गया है या नहीं, जिसे उसने वोट दिया है। इसके जरिये मशीन से कागज की पर्ची निकलती है जिसे मतदाता देख सकता है और इस पर्ची को एक सीलबंद लिफाफे में रखा जाता है तथा विवाद की स्थिति में इसे खोला जा सकता है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से जुड़ी याचिकाएं सुनवाई के लिए नहीं ले सकी न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि यह विषय से जुड़ी सभी याचिकाओं पर विचार करेगी। लोकसभा चुनाव सात चरणों में हो रहा है और पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है।

शीर्ष अदालत ने तीन अप्रैल को कहा था कि यह गैर सरकारी संगठन 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (एडीआर) द्वारा दायर याचिका की सुनवाई अन्य विषयों के साथ अगले हफ्ते करेगी। तत्काल सुनवाई का अनुरोध किये जाने पर न्यायालय ने यह बात कही थी।

मुख्य चुनाव आयुक्त को दी गई जेड श्रेणी की सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र ने मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार के खिलाफ संभावित सुरक्षा खतरों को देखते हुए उन्हें देश भर में जेड श्रेणी सीआरपीएफ सुरक्षा कवर प्रदान किया है। मुख्य चुनाव आयुक्त चुनावी मौसम में प्रमुख व्यक्ति हैं क्योंकि वह स्वतंत्र और निष्पक्ष लोकसभा चुनाव और चार राज्यों में विधानसभा चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यात्रा कर रहे हैं और कई बैठकें कर रहे हैं। चुनावों के दौरान, कई भारत

विरोधी ताकतें भारतीय चुनावों को प्रभावित करने का प्रयास करती हैं, शीर्ष पर बैठे व्यक्ति की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, केंद्र सरकार ने अपनी सुरक्षा बढ़ा दी है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, एक अन्य घटनाक्रम में, केंद्र सरकार ने हैदराबाद से भाजपा की लोक सभा चुनाव उम्मीद वार माधवी लता को उनके खिलाफ संभावित सुरक्षा खतरों के मद्देनजर सशस्त्र कमांडो का वीआईपी सुरक्षा कवर प्रदान किया। 49 वर्षीय राजनेता को तेलंगाना में उनके प्रवास और दौरों के दौरान मध्य–स्तरीय वाई प्लस श्रेणी का मोबाइल सुरक्षा कवर दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) वीआईपी सुरक्षा विंग ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित कार्य की जिम्मेदारी संभाल ली है। एक शास्त्रीय नृत्यांगना और उद्यमी, लता 13 मई के आम चुनावों में हैदराबाद के मौजूदा सांसद और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी को उनके गढ़ में टक्कर देने के लिए तैयार हैं।

आने वाले दिनों में असम देश के बाकी राज्यों की तरह एक विकसित राज्य बनेगा - अमित शाह

असम, एजेसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज असम में विजय संकल्प सभा में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में लोगों से कहा कि आपको 19 अप्रैल को तय करना होगा कि आपका सांसद कौन होगा, किस पार्टी की सरकार बनेगी और अगला प्रधानमंत्री कौन होगा। उन्होंने कहा कि आपके पास दो विकल्प हैं। एक तरफ राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडी गठबंधन है और दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा है। उन्होंन कहा कि आपको ये तय करने के लिए वोटिंग करनी है कि आने वाले 5 साल के लिए मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और 400 पार के लक्ष्य के साथ फिर एक बार भाजपा की सरकार बनेगी। शाह ने कहा कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी कह रहे थे कि हमें असम की संस्कृति को बचाना है। मैं उन्हें याद दिलाना चाहता हूं कि उनकी दादी ने असम के साथ क्या किया था। हजारों युवाओं को

गुमराह कर मार डाला गया। वहीं, नरेंद्र मोदी ने दस से अधिक शांति समझौतों पर हस्ताक्षर किए और असम में स्थिरता लाई। 9000 से अधिक लोग आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि असम में मोदी जी के 10 साल विकास के 10 साल रहे हैं। असम में पिछले 10 वर्षों में अनेक शांति समझौते हुए, विकास का काम हुआ। आने वाले दिनों में असम देश के बाकी राज्यों की तरह एक विकसित राज्य बनेगा, इसका मुझे पूरा भरोसा है। अमित शाह ने कहा कि 2004 से 2014 तक 10 साल तक देश में एनडीए और कांग्रेस की सरकार थी। उस सरकार ने 10 वर्षों में सिर्फ 1 लाख 62 हजार करोड़ रुपये असम के विकास के लिए दिए थे। जबकि दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 4 लाख 15 हजार करोड़ रुपये असम को देने का काम किया है। इसके बाद तिनसुकिया शहर में चलिहा नगर से थाना चरियाली तक एक रोडशो में भी हिस्सा लेंगे। तिनसुकिया शहर डिब्रूगढ़ सीट के तहत आता है जहां से केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल भाजपा उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं।

बिहार में बीजेपी की हार तय - तेजस्वी यादव

बिहार, एजेंसी। राजद नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला राजग बिहार में घबराया हुआ है, यही कारण है कि राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभियान तेज किया जा रहा है। यादव ने यह टिप्पणी तब की जब पत्रकारों ने उनका ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की औरंगाबाद में बुधवार को रैली होने वाली है, जबकि मोदी 16 अप्रैल को गया में एक चुनावी सभा को संबोधित करने वाले हैं। तेजस्वी ने कहा कि मीडिया के साथी कभी भी हमसे बेरोजगारी, महंगाई, गरीब, किसान, बिहार में विकास, निवेश, पलायन, औद्योगीकरण तथा बेहतर शिक्षा–स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल नहीं पूछते। मोदी, धर्म और विपक्ष के अलावा कोई प्रश्न ही नहीं रहता। सत्ता पक्ष से लोकहित में कुछ पूछना नहीं तथा विपक्ष से बीजेपी को फायदा पहुँचाने वाले गैर–जरुरी मुद्दों पर पूछते रहना है। जनतंत्र के

लिए यह रवैया दुखद है। उन्होंने कहा कि अगर पीएम मोदी पूरे 365 दिन बिहार आएंगे तो भी उनकी हार तय है। गृह मंत्री और पीएम मोदी का स्वागत है लेकिन हमें उम्मीद है कि वे वास्तविक मुद्दों पर बात करेंगे। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री को बताना चाहिए कि उन्होंने राज्य के लिए क्या किया है? बिहार से 39 (एनडीए) सांसद चुने गए, इन सांसदों ने अपने–अपने लोकसभा क्षेत्र में क्या किया? बिहार की जनता जवाब मांग रही है। उन्होंने कहा कि हमें बीजेपी के लोगों को सफाई देने की जरूरत नहीं है, हम सबका सम्मान करते हैं, हर धर्म का सम्मान करते हैं...वे बेरोजगारी, महंगाई, बिहार से पलायन, गरीबी उन्मूलन या बिहार में निवेश के बारे में बात नहीं कर रहे हैं...प्रधानमंत्री और बिहार के नतीजों से बीजेपी के लोग डर गये हैं। बिहार में लोकसभा चुनाव सभी सात चरणों में हो चुके हैं और मोदी पहले ही जमुई और नवादा में दो रैलियां कर चुके हैं। हालांकि उनकी गया यात्रा की भाजपा ने अभी तक पुष्टि नहीं की है, लेकिन बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, जो एनडीए के साथी हैं और गया से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, ने दावा किया कि पीएम उनके पक्ष में प्रचार करने के लिए सहमत हो गए हैं।

भारत के आत्म–सम्मान को नुकसान पहुंचाने वाले को उचित जवाब दिया जाएगा – राजनाथ

नई दिल्ली, एजेसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों का नाम बदलने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अगर भारत ने भी इसी तरह के प्रयास किए, तो क्या इसका मतलब यह होगा कि चीन के वे क्षेत्र हमारे क्षेत्र का हिस्सा बन गए हैं। अरुणाचल प्रदेश के नामसाई इलाके में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं चीन से पूछना चाहता हूं कि अगर हम पड़ोसी देश के विभिन्न राज्यों के नाम बदल देंगे, तो क्या वे हमारे क्षेत्र के हिस्से होंगे? ऐसी गतिविधियों के कारण संबंध खराब हो रहे हैं। भारत और चीन के बीच रिश्ते बिगड़ेंगे। पिछले हफ्ते चीन ने अरुणाचल प्रदेश में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास विभिन्न स्थानों के 30 नए नामों की एक सूची जारी की थी। पहले भी चीन पूर्वोत्तर राज्य पर अपना दावा जताने के लिए इसी तरह की कोशिशें

कर चुका है। अरुणाचल प्रदेश में 30 स्थानों के नाम बदलने के चीन के कदम से जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी। हम अपने सभी पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन अगर कोई हमारे आत्म–सम्मान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है, तो भारत उचित जवाब देने की क्षमता रखता है। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के दावों को खारिज कर दिया था और कहा था कि राज्य भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा।

वोट फॉर जौनपुर थीम पर रामनाथ पीजी कालेज में हेलो वोटर्स एवम मेंटोरिंग युवा भारत का आयोजन

दैनिक देश की उपासना
क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा के अंतर्गत वोट फॉर जौनपुर थीम के अंतर्गत रामनाथ पांडे पीजी कॉलेज हेलो वोटर्स एवम मेंटोरिंग युवा भारत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चुनाव एवम शिक्षा विषय एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यक्रम मे हेलो वोटर्स के अंतर्गत भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा मतदाता जागरूकता एवम विभिन्न नवीन प्रणाली एवम प्रयासों के चर्चा की गई। मेंटोरिंग युवा भारत के अंतर्गत इस कार्यशाला का आयोजन मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में लोक सभा चुनाव 2024 के सन्दर्भ में मतदाता जागरूकता महोत्सव के अंतर्गत हेलो वोटर्स के साथ मिल कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता ज्ञानस्थली फाउंडेशन की ट्रस्टी एवम ज्ञानस्थली क्लासेज की सीईओ अलका प्रकाश द्वारा बताया गया कि मेंटोरिंग युवा भारत एक विचारधारा है जिसका मुख्य उद्देश्य कौशल एवम शिक्षा के माध्यम से युवाओं को शिक्षित एवम कौशल सम्पन्न बनना है। इस कॉन्सेप्ट के अंतर्गत आज आयोजित कार्यशाला के अंतर्गत शैक्षिक कौशल के साथ क्षेत्र में चल रहे हेलो वोटर्स के साथ जोड़ते हुए चुनाव के संबंध में जागरूकता का प्रसार कर मतदान के प्रति दायित्व का बोध कराया गया। जिस प्रकार शिक्षा व्यक्ति के लिए आवश्यक है उसी प्रकार एक स्वस्थ लोकतन्त्र के लिए चुनाव आवश्यक है। इस कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में अलका प्रकाश के द्वारा विभिन्न सॉफ्ट स्किल्स पर चर्चा के गई। रोजगार के विभिन्न आयामों की भी चर्चा की गई। सिविल सर्विसेज, सीटीईटी, टीईटी, बैंकिंग सेक्टर के जॉब्स, पुलिस, ज्यूडिशियरी, ऑफिस जॉब्स, आदि में किस प्रकार कैरियर बना सकते है। छात्राओं ने प्रश्न किया की वो किस प्रकार तैयारी के समय अपने मनोबल को ऊंच रख सकती हैं। कंपटीशन की तैयारी कैसे करें। जवाब में बताया कि वे उक्त विषय पर गहन अध्ययन एवम अभ्यास की आवश्यकता है। विभिन्न रोजगार परक कोर्स के बारे में विधिवत रूप से पीपीटी के माध्यम से भी उनको अवगत कराया गया। कैसे तयारी करे , कौनसी पुस्तके पढ़े आदि विषयों पर छात्राओं द्वारा प्रश्न पूछे गए। हेलो वोटर्स के अंतर्गत उपजिला अधिकारी डॉ ज्ञान प्रकाश द्वारा बताया गया कि आने वाले समय में लोक सभा चुनाव के अन्तर्गत 25 मई को मतदान होना है। वोट फॉर जौनपुर थीम के अंतर्गत मतदाता जागरूकता महोत्सव के अंतर्गत आप स्वयं एवम दूसरों को भी मतदान हेतु प्रेरित करें। C-VIGIL एप के विषय

में बताया कि आदर्श आचार संहिता के उलंघन की शिकायत इस पर की जा सकती है। महिलाओं के लिए विशेष रूप से पिंक बूथ बनाए जाते है जिन पर सभी मतदान कार्मिक हमारी मातृ शक्ति होती हैं। आयोग द्वारा जारी विभिन्न एप जैसे C-VIGIL एप, वोटर हेल्पलाइन एप, सुविधा एप, सक्षम एप, आदि के विषय में विस्तार से चर्चा की गई। इनका किस प्रकार उपयोग किया जा सकता है उससे उपस्थित छात्रों के बताया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ मंजुलता सिंह द्वारा वक्ताओं का स्वागत किया गया साथ ही बताया कि हेलो वोटर्स एवम मेंटोरिंग युवा भारत के अंतर्गत इस प्रकार की कार्यशाला का आयोजन किया जाना अपने आप में अनूठा प्रयोग है जिसके लिए डॉ ज्ञान प्रकाश एवम ज्ञानस्थली फाउंडेशन की अलका प्रकाश बधाई के पात्र है। उनके द्वारा कार्यक्रम के रूपरेखा पर भी विस्तार से खाका खींचा गया एवम सभी से अनुरोध किया कि गंभीरता के साथ इन दोनो कॉन्सेप्ट को समझें। डॉ ज्ञान प्रकाश ने बताया कि मैंने चुनाव की गति विधि को शिक्षा के साथ जोड़ने की कोशिश की है जिसमे में वोट की बात के साथ आपकी बात भी करने आपके बीच में आया हूं जिसमे में आपसे एग्जाम में उत्तर लिखने की कला एवं कंपटीशन में पूछे जाने वाले उपयोगी गणित के विभिन्न शॉर्ट कट, वर्ग करना, वर्गमूल निकालना एवम रीजनिंग को भी सिखाने की कोशिश करता हूं जो आने वाले समय में उपयोगी साबित होगा। संस्था के प्रशासक द्वारा इस कार्यशाला के लिए उपजिलाधिकारी एवम ज्ञानस्थली फाउंडेशन की ट्रस्टी विशेष धन्यवाद दिया एवम कहा की चनावी कार्य के साथ छात्रों के लिए इस प्रकार की कार्यशाल एवम चर्चा की गई जो आपने आप में नवीन प्रयोग है जिसकी जितनी तारीफ की जाए कम है। संस्था के सदस्यों, समस्त शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ एवम छात्राओं को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा मतदाता सपथ दिलवाई गई जिसमे मोबाइल टॉर्च का मशाल के रूप में प्रयोग कर छात्राओं ने शपथ लेते हुए आगामी लोकसभा में वोट डालने का वादा किया।

संपादकीय

वैश्विक संचार को नया आकार देना

मानव इतिहास के विशाल विस्तार में, संचार हमेशा प्रगति, नवाचार और सामाजिक एकजुटता की आधारशिला रहा है। होमो सेपियंस के बुद्धिमान प्राणी बनने में भाषा और संचार का सबसे बड़ा योगदान रहा है। लिखित भाषा के आविष्कार से लेकर इंटरनेट के आगमन तक, प्रत्येक तकनीकी छलांग ने हमारे एक–दूसरे से जुड़ने और बातचीत करने के तरीके को बदल दिया है। आज, जब हम एक नए युग की शुरुआत पर खड़े हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एक और संचार क्रांति के अग्रदूत के रूप में उभर रही है। इस प्रकार, जिस तरह से हम संवाद करते हैं वह कायापलट के दौर से गुजर रहा है। एआई मानवीय संज्ञान की नकल करने की अपनी क्षमता के साथ वैश्विक संचार में क्रांति लाने के लिए तैयार है। एआई–संचालित एप्लिकेशन, दैनिक जीवन में सर्वव्यापी, हमारे सूचनाओं के आदान–प्रदान और संबंध बनाने के तरीके को नया आकार देते हैं। वैयक्तिकृत अनुशंसाओं से लेकर सहज भाषा अनुवाद तक, एआई खुद को हमारे डिजिटल परिदृश्य में एकीकृत कर रहा है, कनेक्टिविटी को बदल रहा है। यह लेख संचार में एआई की परिवर्तनकारी शक्ति का पता लगाता है, इसके प्रभाव, नैतिक विचारों पर प्रकाश डालता है और एआई के जिम्मेदार एकीकरण का मार्ग प्रशस्त करता है, जो वैश्विक संचार में नवाचार और समावेशिता का वादा करता है। एआई का दक्षता इंजनरू एआई के प्रभाव के मूल में संचार प्रक्रियाओं को स्वचालित और सुव्यवस्थित करने की क्षमता निहित है। एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जहां मीटिंग शेड्यूल करना, जटिल दस्तावेजों का सारांश बनाना और अप्रासंगिक ईमेल को फिल्टर करना बुद्धिमान एल्गोरिदम द्वारा नियंत्रित किया जाता है। उदाहरण के लिए, सिरी और एलेक्सा जैसे आभासी सहायकों को लें। ये एआई–संचालित उपकरण हाथों से मुक्त संचार की अनुमति देते हैं, रिमाइंडर सेट करने, कॉल करने और यहां तक कि तुरंत भाषाओं का अनुवाद करने जैसे कार्यों को सरल बनाते हैं। होहेंस्टीन एट अल. (2023) ने जीमेल जैसे स्मार्ट रिप्लाई पर ध्यान केंद्रित करते हुए भाषा और सामाजिक इंटरैक्शन पर एआई के प्रभाव की जांच की। "हमने पाया है कि एल्गोरिथम प्रतिक्रियाओं का उपयोग करने से भाषा और सामाजिक रिश्ते बदल जाते हैं। अधिक विशेष रूप से, यह संचार की गति बढ़ाता है, सकारात्मक भावनात्मक भाषा का उपयोग करता है, और बातचीत करने वाले साझेदार एक–दूसरे को करीबी और अधिक सहयोगी मानते हैं। वैयक्तिकरण की शक्तिरू दक्षता से परे, एआई वैश्विक स्तर पर संचार को वैयक्तिकृत करता है। मशीन लर्निंग एल्गोरिदम बड़ी मात्रा में डेटा का विश्लेषण करते हैं, जिससे व्यवसायों को अपने संदेशों और इंटरैक्शन को व्यक्तिगत ग्राहकों के अनुरूप बनाने की अनुमति मिलती है। उदाहरण के लिए, ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ता के खरीदारी इतिहास और ब्राउजिंग व्यवहार के आधार पर उत्पादों की अनुशंसा करने के लिए एआई का उपयोग कर सकते हैं। यह लक्षित दृष्टिकोण अधिक आकर्षक ग्राहक अनुभव को बढ़ावा देता है और संभावित रूप से उच्च रूपांतरण दर की ओर ले जाता है। भाषा संबंधी बाधाओं को तोड़नारू संचार में एआई का सबसे महत्वपूर्ण योगदान भाषाओं के बीच अंतर को पाटने की इसकी क्षमता है। एआई द्वारा संचालित वास्तविक समय अनुवाद उपकरण सीमा पार संचार में क्रांति ला रहे हैं। यह एक ऐसी दुनिया होगी जहां व्यापार वार्ता, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और विभिन्न संस्कृतियों के बीच अनौपचारिक बातचीत भाषा की सीमाओं के बिना, निर्बाध रूप से हो सकती है। यह न केवल सहयोग को बढ़ावा देता है बल्कि नए बाजारों, वैश्विक साझेदारी और अंतर–सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के द्वार भी खोलता है। सभी के लिए पहुंचरू एआई का प्रभाव विकलांग व्यक्तियों तक फैला हुआ है। एआई द्वारा संचालित टेक्स्ट–टू–स्पीच और स्पीच–टू–टेक्स्ट प्रौद्योगिकियां उन लोगों को सशक्त बनाती हैं जो पारंपरिक संचार विधियों के साथ संघर्ष करते हैं। इससे न केवल उनके दैनिक जीवन में सुधार होता है बल्कि वैश्वीकृत दुनिया में अधिक समावेश और भागीदारी को भी बढ़ावा मिलता है। अगर सही ढंग से किया जाए, तो यह विविधता, समानता और समावेशन में योगदान की दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है। एआई–मानव सहयोगरू संचार का भविष्य मनुष्यों की जगह एआई में नहीं, बल्कि सहयोगात्मक दृष्टिकोण में निहित है। एआई गति और सटीकता की मांग वाले कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करता है, जबकि मनुष्य अपनी रचनात्मकता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और संदर्भ की सूक्ष्म समझ को सामने लाते हैं। यह शक्तिशाली संयोजन विभिन्न क्षेत्रों में अधिक प्रभावी संचार रणनीतियों को जन्म दे सकता है। फिर भी, कुछ बातों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। विश्वास और पारदर्शिता की कमी और धारणा और वास्तविकता के बीच विसंगतिरू एआई–जनित संदेशों के उपयोग के बारे में पारदर्शिता गलतफहमी को कम कर सकती है और संचार में विश्वास को बढ़ावा दे सकती है। होहेंस्टीन एट अल द्वारा अध्ययन। (2023) एआई–मध्यस्थता संचार में संलग्न मनुष्यों के लिए एक महत्वपूर्ण विचार पर प्रकाश डालता हैरू धारणा और वास्तविकता के बीच गलत व्याख्या और गलत संरेखण की संभावना। "संचार में एआई की इन नकारात्मक धारणाओं के बावजूद, हमने पाया है कि चूंकि लोग वास्तव में अधिक एल्गोरिथम प्रतिक्रियाओं का उपयोग करते हैं, इसलिए उनके संचार साझेदार का उनके बारे में अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण होता है। भले ही कथित स्मार्ट रिप्लाई के उपयोग को नकारात्मक रूप से देखा जाता है, वास्तविक स्मार्ट रिप्लाई के उपयोग के परिणामस्वरूप संचारकों को अधिक सहयोगी और सहयोगी के रूप में देखा जाता है।

प्रधान मंत्री के विरोधियों की दृढ़ता

आदित्य

वे खुद को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार का आलोचक भी नहीं मान सकते। केवल मीडिया पेशेवर अपना कर्तव्य निभा रहे हैं।

या भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों के धारक। फिर भी, निश्चित रूप से उनके आलोचक, यहाँ तक कि उनके प्रशंसक भी, उन्हें मुख्य रूप से मोदी के आलोचकों के रूप में देखते हैं। लेकिन वैश्विक आधुनिकता के लिए आलोचना महत्वपूर्ण है, यहाँ तक कि निर्णायक भी, सुधार की पूर्व शर्त। तो, अब जब मोदी 3.0 लगभग निश्चित है, तो क्या हम पीछे मुड़कर देख सकते हैं कि उनके आलोचकों ने कैसा प्रदर्शन किया है? अगले पांच वर्षों में उनकी क्या संभावनाएं हैं? पीछा छुड़ाने के लिए, मेरा मुख्य तर्क यह है कि, आम धारणा के विपरीत, उनमें से अधिकांश ने वास्तव में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। यह हमें मोदी सरकार या भारत में आलोचना की प्रकृति के बारे में क्या बताता है, मुझे उम्मीद है कि इस पर बाद में चर्चा करूंगा। लेकिन, एक चेतावनी के साथ शुरुआत करना सबसे अच्छा हो सकता है। मैं इस कॉलम को सभी प्रधान मंत्री के आदमी कहना पसंद करूंगा। फिर भी, यह स्पष्टतः भ्रामक होता। एक के लिए, कम से कम जानने वालों के लिए, यह बॉब वुडवर्ड और कार्ल बर्नस्टीन के खोजी एक्सपोज ऑल द प्रेसिडेंट्स मेन की याद दिलाता होगा। 50 साल पहले प्रकाशित, यह पुस्तक वाटरगेट घोटाले के बाद रिचर्ड निक्सन के राष्ट्रपति पद के खुलासे का वर्णन करती है। जबकि मोदी सरकार पर अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ राज्य मशीनरी, विशेष रूप से प्रवर्तन निदेशालय का दुरुपयोग करने का बार–बार आरोप लगाया गया है, इस तरह की ज्यादतियों की पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन की आपराधिक कार्रवाइयों के करीब तक पहुंचने की संभावना का कोई सबूत नहीं है। नहीं, ष्सभी प्रधान मंत्री के आदमीष से मेरा मतलब बिल्कुल अलग है। लेकिन ऐसा शीर्षक एक अन्य कारण से भी अनुचित है। जिन व्यक्तित्वों और शख्सियतों के बारे में मैं बात करना चाहता हूं उनमें पुरुषों के साथ–साथ महिलाएं भी शामिल हैं। दरअसल, यह कॉलम प्रधानमंत्री के गुर्गों या अनुचरों के बारे में बिल्कुल भी नहीं है। वास्तव में, इसके विपरीत। यह मोदी और इन दोनों के आलोचकों के बारे में है – और जल्द ही भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासन के तीसरे कार्यकाल तक इसके विस्तार की उम्मीद है। आम तौर पर कहें तो इनमें आरएसएस, हिंदुत्व और भारत की दक्षिणपंथी राजनीति से जुड़े सभी लोगों के आलोचक शामिल हैं। इनमें से कुछ महिलाएँ और पुरुष कौन हैं? और, इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्हें क्या हुआ है? उत्तर के माध्यम से, मैं मोदी के आलोचकों और उनके समर्थकों सहित कई लोगों द्वारा दिए गए इस प्रस्ताव पर विवाद करना चाहता हूं, यहां तक कि इसका खंडन भी करना चाहता हूं कि शासन उन लोगों को कुचल देता है जो इसका विरोध करते हैं। यह मोदी की गोदी मीडिया है– यानी सत्ता की गोद में बैठने वाली मीडिया– या हाईवे। यदि आप उसका विरोध करते हैं, तो आप अपनी व्यावसायिक स्थिति और विशेषाधिकारों से वंचित हो जायेंगे। आपको अनुपालन करना होगा या विलुप्त होने की संभावना का सामना करना होगा। शासन की कुचलने वाली शक्ति और उसका उल्लंघन करने के गंभीर परिणाम ऐसे हैं। तो तर्क चलता है. लेकिन जमीनी तथ्य वास्तव में क्या दर्शाते हैं? बिल्कुल ही विप्रीत। जिन लोगों ने मोदी की आलोचना करने का साहस किया, उन्होंने वास्तव में बहुत अच्छा किया है। इसके बावजूद, कई बार, उन्हें अपना पद या विशेषाधिकार खोना पड़ता है, किनारे कर दिया जाता है या बर्खास्त कर दिया जाता है। भयावह मोदी सोशल मीडिया समर्थकों के गुस्से और धक्का–मुक्की का सामना करने के बावजूद। हाशिए और उपेक्षा से पीड़ित होने के बावजूद। यह कैसे और क्यों संभव हुआ है? इसके अलावा, यह हमें हमारी राजनीति और समाज के बारे में क्या बताता है? क्या कोई उल्लेखनीय अपवाद हैं? उन लोगों के बीच क्या अंतर और भेदभाव किया जा सकता है जो डॉगहाउस में रहने के बाद बच गए? क्योंकि भारतीय राजनीति के जटिल परिदृश्य में, आलोचना सार्वजनिक चर्चा को आकार देने, नेताओं को जवाबदेह बनाने और लोकतंत्र के सिद्धांतों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हाल के दिनों में इस चर्चा के केंद्र में मोदी हैं, जो एक विशाल और, जैसा कि वैश्विक मीडिया हमें याद दिलाते नहीं थकता, ध्रुवीकरण करने वाला व्यक्ति है। यह प्रधानमंत्री के रूप में मोदी का कार्यकाल है जिसे हाल के दिनों में सबसे उग्र समर्थन और तीव्र विरोध का सामना करना पड़ा है। जहां मोदी के प्रशंसक उनके नेतृत्व और आर्थिक सुधारों की प्रशंसा करते हैं, वहीं उनके आलोचक उनके द्वारा किए या कहे गए लगभग हर काम का विरोध करने से नहीं चूकते। उत्तरार्द्ध में से कुछ ने प्रतिवाद प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है – मैं इसे गिट्टी कहना पसंद करूंगा – जिससे उन्होंने अपनी अधिकांश राजनीतिक पूंजी बनाई है।

भारतीय सशस्त्र बलों को हर समय लाइन पर बने रहने की आवश्यकता

विनोद

सभी भारतीय सैन्यकर्मी, चाहे वे जवान हों या अधिकारी, केवल भारत के संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं, किसी राष्ट्रीय नेता, पार्टी या सरकार के प्रति नहीं। पवित्र शपथ, ष्मैं ईश्वर की शपथ लेता हूं कि मैं संविधान की रक्षा करूंगा और उसका सम्मान करूंगाष, आजादी के बाद से सभी सत्तारूढ़ दलों द्वारा पक्षपातपूर्ण उद्देश्यों के लिए संस्था को हड़पने, हथियाने या यहां तक कि अपमानित करने के कई प्रयासों के बावजूद, अपरिवर्तित बनी हुई है। यह कभी–कभी सेना पर नागरिक नियंत्रण के महान सिद्धांत का दुरुपयोग करने के समान होता है, हालांकि फील्ड मार्शल के.एम. जैसे वर्दीधारी लोगों का नेतृत्व और आचरण। करिअप्पा, जनरल के.एस. थिमैया, आईएएफ मार्शल अर्जन सिंह, फील्ड मार्शल एस.एच.एफ.जे. मानेकशॉ और अन्य लोगों ने संस्था को हमेशा उसके संवैधानिक आधार की ओर अग्रसर किया है। वर्दीधारी बिरादरी के कई लोग बाद में राजनीतिक क्षेत्र में चले गए – जैसे कि मेजर जसवन्त सिंह, स्क्वाड्रन लीडर राजेश पायलट, मेजर जनरल बी.सी. खंडूरी, आदि – और फिर भी प्रत्येक ने अपने बुनियादी आह्वान का आह्वान किए बिना या किसी वैचारिक या पक्षपातपूर्ण झंडे के प्रति किसी संस्थागत प्राथमिकता का सुझाव दिए बिना अपनी सफल राजनीति की। यह उनका श्रेय है कि अपने व्यक्तिगत पक्षपातपूर्ण विकल्पों के बावजूद, उन्होंने संवैधानिक रूप से गैर–राजनीतिक संस्था में पक्षपात करने या उसका प्रचार करने से परहेज किया। वास्तव में व्यक्तिगत अपमान के कुछ मामले सामने आए हैं, लेकिन बड़े पैमाने पर भारतीय सशस्त्र बलों को सामाजिक भावनाओं, नैतिकता और ष्विभाजनष से बचा लिया गया, जो ष्राष्ट्र की तलवार भुजाष की गरिमा और प्रभावकारिता को कम कर सकता था, जो गर्व से समावेशी, धर्मनिरपेक्ष थी। और गैर–भेदभावपूर्ण. राजनीतिक रूप से आरोपित माहौल में, जहां राजनेता इस प्रकार के संस्थागत संयम, ईमानदारी और ष्दूरीष के प्रति बहुत कम सम्मान रखते हैं, सशस्त्र बलों को संवैधानिक परंपराओं के संरक्षक के रूप में सीधे खड़े रहना चाहिए – वे किसी अनुचित एजेंडे की अनुमति नहीं दे सकते हैं या इस पर राय व्यक्त नहीं कर सकते हैं। ऐसे मामले (हालांकि नागरिक समाज में महत्वपूर्ण और गूंजने वाले) जिन्हें सेना छावनियों के बाहर सबसे अच्छे तरीके से संभाला जाता है। यह एक अच्छे कारण के लिए है कि राजनीति, पक्षपात, या यहां तक कि गुप्त राजनीतिक विषय सशस्त्र बलों के कर्मियों के बीच बातचीत के सबसे हतोत्साहित विषयों में से हैं। अफसोस की बात है कि हाल ही में हमने परंपरा से बंधे संस्थान की एक असामान्य पहुंच, ष्अनियंत्रितष या ष्सभ्यताष (गैर–सैन्य संदर्भ में) देखी है, जो गर्व से रेजिमेंट और सेवा मानदंडों की अपनी विचित्रताओं को सहन करता है जो कि प्रतीत हो सकते हैं कालानुक्रमिक या यहां तक कि बाहर के लोगों के लिए भी दिनांकित। महत्वपूर्ण बात यह है कि ये परंपराएँ इतिहास में निहित थीं (भले ही वे औपनिवेशिक हों), आकर्षक थीं, और उस संस्थान में अतुलनीय उत्साह और विशिष्टता लाती थीं, जो तब भी अच्छी स्थिति में खड़ा रहता था, जब भी सशस्त्र बलों का परीक्षण किया जाता था। फिर भी, यह ष्विभाजनष के आगे झुके बिना, जैसा कि भारत के नागरिक समाज की आदत है, सबसे प्रगतिशील, परिवर्तनकारी और दूरदर्शी संस्थान बना रहा। इसलिए, जबकि नागरिक– राजनीतिक क्षेत्र बहस करता है और नई नीतियां (चाहे कितनी ही विवादास्पद क्यों न हो) तैयार करता है, सशस्त्र बल आम तौर पर उन मामलों पर कोई भी राय व्यक्त करने से जानबूझकर ष्दूरीष बनाए रखते हैं जो इसके दायरे, सांस्कृतिक लोकाचार और स्वाभाविकता से परे हैं। यह इस पृष्ठभूमि के साथ है कि जम्मू और कश्मीर में सेना अधिकारियों द्वारा कानूनी सीमाओं को नेविगेट करनारू भारतीय दंड संहिता 2023 को समझना और एक समान नागरिक संहिता की तलाशष पर एक सेमिनार आयोजित करने का अजीब कदम कुछ परेशान करने वाला है। शुक्र है, आखिरकार बेहतर समझ बनी और कार्यक्रम रद्द कर दिया गया, संभवतः टिप्पणीकारों, दिग्गजों और यहां तक कि राज्य के राजनेताओं की अच्छी प्रतिक्रिया के कारण, जो उस अनुचित पहल (सेना के दृष्टिकोण से) के बारे में चिंतित थे जिसने पहले से ही देश को पक्षपातपूर्ण रूप से विभाजित कर दिया है। पंक्तियाँ. देश में कई गंभीर मुद्दे हैं जो हो सकते हैं इसमें सशस्त्र बलों के सेवारत कर्मियों के परिवार भी शामिल हैं – जैसे कि किसानों का विरोध, मणिपुर दंगे, आरक्षण पर विरोध, लेकिन इन मुद्दों पर संस्थागत दृष्टिकोण रखना संस्थान के लिए उचित नहीं है। संवैधानिक तारों, ऐतिहासिक पूर्वता और सरल अच्छी समझ का एक संयोजन जो समय की कसौटी पर खरा उतरा है। सशस्त्र बलों द्वारा समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर बहस करते दिखना आग से खेलना है। राजनीति और सशस्त्र बलों के बीच की कठोर रेखा धुंधली नहीं होनी चाहिए। ऐसे कई सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम हैं जिनमें सेना अशांत कश्मीर घाटी में शामिल होती है, लेकिन इनमें से किसी में भी पक्षपातपूर्ण कोणीयता की कोई झलक नहीं है (या होनी चाहिए)। सेना द्वारा ऐसे उपचार अभियानों का आम तौर पर आम नागरिकों द्वारा स्वागत किया जाता है, जो विभिन्न ताकतों – बेलगाम राजनेताओं या यहां तक कि सीमा पार से – के बीच फंसे हुए हैं, लेकिन यह समान नागरिक संहिता के गुण या दोषों पर चर्चा करने के समान नहीं है। सैन्य कर्मियों की सेवा करके. अंततः, राजनीतिक व्यवस्था द्वारा जो भी निर्णय लिया जाएगा और संवैधानिक तरीकों के अनुसार अनुसमर्थन किया जाएगा, उसका पालन किया जाएगा ई सशस्त्र बल, सशस्त्र बल कर्मियों के व्यक्तिगत विचार जो भी हों। जिम्मेदारी की इसी तीव्र भावना के साथ अमेरिकी सशस्त्र बलों के सबसे वरिष्ठ अधिकारी, ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल मार्क मिले ने एक कार्यक्रम में अपनी अनजाने में उपस्थिति के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी, जिसे राजनीतिक माना जा सकता है। उन्होंने कहा था, मुझे वहां नहीं होना चाहिए था, और बाद में स्पष्ट किया कि उस क्षण और उस माहौल में मेरी उपस्थिति ने सेना के घरेलू राजनीति में शामिल होने की धारणा पैदा की। उन्होंने जोर देकर कहा– हम जो अपने राष्ट्र का कपड़ा पहनते हैं, अपने राष्ट्र के लोगों से आते हैं, और हमें एक अराजनीतिक सेना के सिद्धांत को प्रिय रखना चाहिए जो हमारे गणतंत्र के मूल सार में बहुत गहराई से निहित है। यही बात भारत के सशस्त्र बलों के सभी कर्मियों के लिए भी सच है।

निजी अंतरिक्ष क्षेत्र नई ऊंचाइयों को छू रहा

आसिफ

2012 में, भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र में केवल एक पंजीकृत स्टार्टअप था – हैदराबाद से ध्रुव स्पेस। देश में अब करीब 200 अंतरिक्ष स्टार्टअप हैं। अंतरिक्ष क्षेत्र में यह तेजी से वृद्धि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार की परिवर्तनकारी नीतियों के कारण है। अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की लंबी छलांग तब संभव हुई जब पीएम मोदी ने इस क्षेत्र को गोपनीयता के पर्दे से अनलॉक करने का साहसी निर्णय लिया। भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में पिछले दशक में जबरदस्त वृद्धि देखी गई और आने वाले वर्षों में 100 अरब डॉलर का बाजार बनने की क्षमता के साथ देश को विशिष्ट अंतरिक्ष यात्रा करने वाले देशों की लीग में शामिल कर लिया गया। लॉन्च वाहनों या रॉकेटों के निर्माण से लेकर उन्नत उपग्रहों को डिजाइन करने तक, ये स्टार्टअप अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी पर आधारित अनुप्रयोगों के निर्माण के लिए अंतरिक्ष स्थितिजन्य जागरूकता (एसएसए) समाधानों पर भी काम करते हैं। पिछले 9–10 वर्षों में 30 से अधिक सौदों के माध्यम से अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी स्टार्टअप द्वारा जुटाई गई लगभग 233 मिलियन डॉलर की फंडिंग के कारण यह वृद्धि हुई है। विशेष रूप से, निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप ने अप्रैल–दिसंबर 2023 के बीच 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। इनमें से कुछ प्रमुख हैं Pixxel, स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस और एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज आदि। श्भारत अंतरिक्ष नीति 2023श और निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों के लिए नियामक – भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र के लॉन्च के साथ, 2020 में इस क्षेत्र को सार्वजनिक–निजी भागीदारी के लिए खोलने पर सरकार का जोर है। – नई उपग्रह प्रौद्योगिकियों, सेवाओं और अनुप्रयोगों के उदय के साथ–साथ भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उपग्रह स्थापना और संचालन में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की हालिया मंजूरी उद्योग के लिए एक वरदान होने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों के अनुसार, नए एफडीआई मानदंडों से अगले दशक में 25 अरब डॉलर तक का नया विदेशी निवेश आने की उम्मीद है और इसके परिणाम स्वरूप भारतीय और विदेशी कंपनियों के बीच सहयोग की लहर आएगी। इसके अलावा, पिछले नौ वर्षों में इस क्षेत्र के लिए बजट आवंटन में 140 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी देखी गई है। हाल ही में, पीएम मोदी ने वादा किया कि 2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन होगा जो ष्अंतरिक्ष के अज्ञात विस्तारष का अध्ययन करेगा। उन्होंने कहा, ष्अमृत काल की इस अवधि में, भारतीय अंतरिक्ष यात्री हमारे अपने रॉकेट पर चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे।ष "पिछले 10 वर्षों में, हमने 400 उपग्रह लॉन्च किए हैं। हालाँकि, इन 10 वर्षों से पहले केवल 33 उपग्रह लॉन्च किए गए थे। अब, भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र में 200 से अधिक स्टार्टअप काम कर रहे हैं, "उन्होंने कहा। भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था मामूली +8 बिलियन की है, लेकिन सरकार वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में देश की हिस्सेदारी में पांच गुना वृद्धि का लक्ष्य बना रही है। "हमारा अपना अनुमान है कि 2040 तक, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था कई गुना बढ़ जाएगी। लेकिन अधिक दिलचस्प बात यह है कि कुछ अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के अनुसार, उदाहरण के लिए, हालिया आर्थर डी लिटिल रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि हमारे पास 2040 तक 100 बिलियन डॉलर की क्षमता हो सकती है, "केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जितेंद्र सिंह ने कहा।

लोकसभा चुनाव में एक नये अध्याय की शुरुआत हो

ललित

लोकसभा चुनाव में चुनावी मैदान सज गया है, सभी राजनीतिक दलों में एक–दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोपों का सिलसिला हमेशा की तरह परवान चढ़ने लगा है। राजनीति में स्वच्छता, नैतिकता एवं मूल्यों की स्थापना के तमाम दावों के अनैतिकता, दल–बदल, आरोप–प्रत्यारोप की हिंसक मानसिकता पसरी है। राजनेता दलबदल की ताल ठोक रहे हैं। दलबदलुओं को टिकट देने में कोई दल पीछे नहीं रहा, क्योंकि सवाल, येन–केन–प्रकारेण चुनाव जीतने तक जो सीमित रह गया है। सिद्धांतों और राजनीतिक मूल्यों की परवाह कम ही लोगों को रह गई है। चुनावी राजनीति देश के माहौल में कड़वाहट घोलने का काम भी कर रही है। स्वस्थ एवं मूल्यपरक राजनीति को किनारे किया जा रहा है। राजनीति पूरी तरह से जातिवाद, बाहुबल और धनबल तक सिमट गई है। हालत यह है कि अब तक राजनीति दलों ने जिन प्रत्याशियों को उतारा है, उनमें आधे से अधिक दलबदलू, अपराधी अथवा दागी हैं। ऐसे में राजनीति के स्तर में सुधार की उम्मीद आखिर कौन, किससे करे? इस मुद्दे पर राजनीतिक दलों की चुप्पी तो समझ में आती है, लेकिन चुनाव आयोग की खामोशी समझ से परे है। लोकसभा चुनाव नेतृत्व चयन का ऐतिहासिक एवं महत्वपूर्ण अवसर है, इस अवसर पर लाओत्जु ताओ ते चिंग की पुस्तक''द ताओ ऑफ लीडरशिप'' राजनीति एवं राजनेताओं के लिये एक रोशनी है। यह एक अद्भुत, अद्वितीय एवं अप्रतिम कृति हैं जो नये युग के लिए नेतृत्व की रचनात्मक व्यूह रचना प्रस्तुत करती है। आज जबकि देश और दुनिया में सर्वत्र नेतृत्व के प्रश्न पर एक घना अंधेरा छाया हुआ है, निराशा और दायित्वहीनता की चरम पराकाष्ठा ने राजनीति एवं नेतृत्व को जटिल दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। समाज और राष्ट्र के समुचे परिदृश्य पर जब हम दृष्टि डालते हैं तो हमें जिन विषम और जटिल परिस्थितियों से रू–ब–रू होना पड़ता है, उन विषम हालातों के बीच ठीक से राह दिखाने वाला कोई नेतृत्व नजर नहीं आता। यह मान लेने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए कि लोकतंत्र धुंधलका सब देख रहे हैं, लेकिन खामोशी के साथ। शायद सबकी अपनी–अपनी मजबूरियां हैं। मतदाता की मजबूरी यह है कि आखिर उसे मैदान में डटे उम्मीदवारों में से ही एक को चुनना है। इस देश ने महंगाई, बेरोजगारी, महिला अपराध, गरीबी, साम्प्रदायिकता के खिलाफ भी जनता को सड़कों पर उतरते देखा है लेकिन राजनीति में टकराव, अपराध, देश–विरोध और हिंसा की राजनीति के खिलाफ कभी कोई आंदोलन नहीं हुआ। चुनाव आयोग की अपनी सीमाएं हो सकती हैं, लेकिन जेल में बैठे–बैठे लोग चुनाव लड़ भी लेते हैं और जीत भी जाते हैं। खलनायक नायक बनने लगे हैं। चुनाव लड़ने के लिए अधिकतम खर्च की सीमा सरेआम ध्वस्त होती है, लेकिन आयोग कुछ कर नहीं पाता। चुनाव प्रचार के दौरान अपशब्दों का उच्चारण–गालीगलोच खुल्लम–खुल्ला होता है, लेकिन आयोग नोटिस देकर ही अपने दायित्व से मुक्त हो जाता है। मतदाताओं के वोट खरीदने के लिए उन्हें सरेआम पैसे ही नहीं शराब तक बांटी जाती है, लेकिन किसी उम्मीदवार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। जनता राजनीति के गिरते स्तर से त्रस्त तो है, लेकिन उसके खिलाफ आवाज नहीं उठाती। इन लोकसभा चुनाव में यह चुप्पी टूटनी चाहिए और आजादी के अमृतकाल को अमृममय बनाने वाला नेतृत्व सामने आना चाहिए। ऐसा नेतृत्व जो देश को अग्रणी आर्थिक महाशक्ति के रूप में ले जाये एवं विकास की स्वर्णिम गाथा को गढ़े। एक सफल, सार्थक, समर्थ एवं चरित्रसम्पन्न विपक्षी नेतृत्व की आवश्यकता हर दौर में रही है, लेकिन आज यह ज्यादा तीव्रता से महसूस की जा रही है। विपक्षी नेतृत्व कैसा हो, उसका अपना साथियों के साथ–साथ सत्तापक्ष के साथ कैसा सलूक हो? उसमें क्या हो, क्या न हो? वह क्या करे, क्यों करे, कब करे, कैसे करे? इत्यादि कुछ जटिल एवं गंभीर प्रश्न हैं जिनके जवाब ढूंढ़े बिना हम एक सक्षम विपक्षी नेतृत्व को उजागर नहीं कर सकते। इन प्रश्नों के उत्तरों की कसौटी पर ही हमें आने वाले सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के नेतृत्व को कसना होगा। जिस नेतृत्व के पास इन प्रश्नों के उत्तर होंगे, जो समयज्ञ होगा, सहिष्णु होगा, तटस्थ होगा, दूरदर्शी होगा, निःस्वार्थी होगा, वैसा ही नेतृत्व जिस राष्ट्र को प्राप्त होगा, उसकी प्रगति को संसार की कोई शक्ति बाधित नहीं कर सकेगी। ऐसा ही नेतृत्व नया इतिहास बना सकेगा और भावी पीढ़ी को उन्नत दिशाओं की ओर अग्रसर कर सकेगा। आज चुनाव प्रचार में जिस तरह की आरोप–प्रत्यारोप की हिंसक संस्कृति पनपी है, एक दूसरे पर जूते–चप्पल फेंके जाते है, पत्थर से हमला किया जाता है, छोटी–छोटी बातों पर अभद्र शब्दों का व्यवहार, हो–हल्ला, छींटाकशी और हंगामा आदि घटनाएं ऐसी है जो नेतृत्व को धुंधलाती है। नेतृत्व को लेकर लोगों की मानसिकता में बहुत बदलाव आया है, आज योग्य नेतृत्व की प्यासी परिस्थितियां तो हैं, लेकिन बदकिस्मती से अपेक्षित नेतृत्व नहीं हैं। जलाशय है, जल नहीं है। नगर है, नागरिक नहीं है। भूख है, रोटी नहीं है–ऐसे में हमें सोचना होगा कि क्या नेतृत्व की इस अप्रत्याशित रिक्तता को भरा जा सकता है? क्या राष्ट्र के सामने आज जो भयावह एवं विकट संकट और दुविधा है उससे छुटकारा मिल सकता है? हालही में नेतृत्व के प्रश्न पर एक करारा व्यंग्य पढ़ा था–'देश और ट्रेन में यही अंतर है कि ट्रेन को लापरवाही से नहीं चलाया जा सकता।' यानी देश के संचालन में की गई लापरवाही तो क्षम्य हैं पर ट्रेन के पटरी से उतरने में की गई लापरवाही क्षम्य नहीं, क्योंकि इसके साथ आदमी की जिंदगी का सवाल जुड़ा है। मगर हम यह न भूलें कि देश का नेतृत्व अपने सिद्धांतों और आदर्शों की पटरी से जिस दिन उतर गया तो पूरी इन्सानियत एवं राष्ट्रीयता की बरबादी का सवाल उठ खड़ा होगा। आज देश में लोकतांत्रिक, सांस्कृतिक, नैतिक जीवन–मूल्यों के मानक बदल गये हैं न्याय, कानून और व्यवस्था के उद्देश्य अब नई व्याख्या देने लगे हैं। चरित्र हासिए पर आ गया, सत्ता केन्द्र में आ खड़ी हुई।

स्टोरी टाइम तथा रोल प्ले का महत्व और कक्षा में पोस्टर विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण स्थान, जौनपुर एवं ह्युमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में "स्टोरी टाइम तथा रोल प्ले का महत्व और कक्षा में पोस्टर" विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन डायट, जौनपुर के ऑडिटोरियम हाल में उप शिक्षा

निदेशकध् प्राचार्य डॉ0 विनोद कुमार शर्मा के दिशा निर्देशन एवं वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ0 रवीन्द्रनाथ के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उप शिक्षा निदेशकध् प्राचार्य डॉ0 विनोद कुमार शर्मा , वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ0 रवीन्द्रनाथ जी एवं HPPI के टीम लीडर नितिन कुमार मिश्रा जी के द्वारा माँ सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमे जिले के पाँच विकास खण्डों (धर्मापुर, सिरकोनी, सिकरारा, मुफ्तीगंज एवं करंजाकला) में से 50 प्राथमिक विद्यालयों के कुल 50 सहायक अध्यापकों ने प्रतिभाग किया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कक्षा–कक्ष शिक्षण को प्रभावी एवं रुचिकर बनाने के लिए कहानी कहने, दृश्यमान रूप से कहानी कहने एवं पोस्टर्स की उपयोगिता और पोस्टर का निर्माण करते समय ध्यान रखने योग्य बातों पर विचार–विमर्श कर समझ विकसित करना था। इस प्रशिक्षण के दौरान ह्युमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया, जौनपुर के टीम लीडर नितिन कुमार मिश्रा जी के द्वारा ह्युमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया और वाचिक एवं दृश्यात्मक रूप से कहानी कहने की तकनीक के बारे में विस्तार से बताने के साथ–साथ समूह में गतिविधि भी करवाया गया। इसके पश्चात् ह्युमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया के मास्टर ट्रेनर डॉ० चन्द्रशेखर, गगन चन्द्र गौतम एवं ब्रजबंधु साहू द्वारा अनेक समूह गतिविधियों एवं विडियों के माध्यम से सभी सहायक अध्यापकों की समझ को बढ़ाने के साथ ही साथ उन्होंने कक्षा–कक्ष शिक्षण को प्रभावी एवं रुचिकर बनाने के लिए दृश्यमान रूप से कहानी कहने एवं कहानी के विभिन्न तरीकों पर चर्चा किया गया। कहानी निर्माण करते समय ध्यान रखने वाली बातों पर चर्चा की गयी। गतिविधि के माध्यम से कहानी का निर्माण भी करवाया गया। एक कहानी मौखिक रूप से और दूसरी कहानी चित्रों के माध्यम से निर्मित करवाया गया, तत्पश्चात पोस्टर्स का निर्माण करना, पोस्टर्स की उपयोगिता और पोस्टर का निर्माण करते समय ध्यान रखने योग्य बातों पर चर्चा किया गया। बच्चों की भाषा के विकास करने के लिए कॉमिक्स एवं कहानियों की क्या भूमिका है? इस पर भी विचार–विमर्श किया गया और नए–नए कॉमिक्स एवं कहानियों के निर्माण की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गयी। अंत में डायट प्राचार्य के द्वारा प्रतिभागियों से प्रतिपुष्टि लेते हुए उनको अपने विद्यालयों में इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को लागू करने के लिए प्रेरित किया गया तथा उनके कर कमलों द्वारा सभी प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण का प्रमाण–पत्र भी प्रदान किया गया। प्रशिक्षण की समाप्ति पर टीम लीडर नितिन कुमार मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया और भविष्य में आयोजित किए जाने वाले कार्यशाला में एवं अन्य सभी प्रकार की गतिविधियों में सक्रिय रूप से प्रतिभाग करने की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर डायट के सभी प्रवक्ता गण, विकास खण्ड के मेंटर एवं ह्युमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया के श्री रोहितासव गुर्जर, समय सिंह यादव, अनुराग सिंह, एवं सुभाषचन्द्र उपस्थित रहे।

अन्नदाता सम्मेलन मे बढ़ चढ़ हिस्सा ले, जनता के बीच पहुंचकर अधिक से अधिक केंद्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाएं – नरेंद्र उपाध्याय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की आगामी कार्य योजना के लेकर जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा नरेन्द्र उपाध्याय के अध्यक्षता मे बैठक संपन्न हुई। सर्वप्रथम पार्टी के पुरोधा डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की सुभारम्भ की गई। तत्पश्चात सभी कार्यकर्ताओं के द्वारा बंदे मातरम का गीत गाया गया।बैठक में बड़ी संख्या में किसान मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा नरेन्द्र उपाध्याय ने कहा कि प्रत्येक मंडल मे अन्नदाता सम्मेलन होना तय हुआ है कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सम्मेलन मे बढ़ चढ़ कर हिस्सा ले और जनता के बीच पहुंचकर अधिक से अधिक केंद्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाएं और गांव–गांव जाकर किसान हितेषी भाजपा द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दें। प्रदेश सरकार किसानों की हितैषी साबित हुई है। प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार पर कठोर कदम उठाए गए हैं। प्रदेश सरकार केंद्र की जन कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में अव्वल रही है। अब तक विभिन्न योजनाओं के तहत किसानों, नौजवानों, गरीबों, महिलाओं समेत अन्य लाभार्थियों को लाभ पहुंचा है। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व आत्मनिर्भरता के लिए अभियान संचालित किया गया है। उन्होंने कहा कि जनता ने ठान लिया है कि तीसरी बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश की बागडोर सौपेंगी। जनता भाजपा सरकार के कार्यों से खुश है और फिर से भाजपा को सत्ता सौंपना चाहती है। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष घनश्याम यादव ने की। उक्त अवसर पर नीरज मौर्य इंद्रसेन सिंह प्रदीप यादव संजय सिंह डीके सिंह मनोज श्रीवास्तव सतीश खरवार दुर्गेश मिश्रा मोहन गुप्ता आदित्य सिंह अखंड सिंह रमेश यादव ज्ञान त्रिपाठी राहुल दुबे पुनीत मिश्रा रामसमुझ मौर्य अरविंद यादव जितेंद्र मिश्रा सियाराम पटेल अजय चौहान प्रेम शंकर दुबे हवलदार सिंह राहुल अग्रहरि राम जीत उपाध्याय संतोष दुबे रामेश्वर राहुल अग्रहरि धीरज सिंह और सभी मंडल के महामंत्री उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति बड़ी व्यावहारिक है और आधुनिकीकरण है - कलराज मिश्र

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं तहसील स्थित सेऊर गांव में राजस्थान के महामहिम राज्यपाल कलराज मिश्र मंगलवार को अपने भतीजे के घर पहुंचकर औपचारिक मुलाकात किया। महामहिम राज्यपाल भतीजे के शुभेच्छुओं एवं मित्रों एवं से मिलकर हाल–चाल जाना। भतीजे द्वारा नवनिर्मित बीडीएम मैरिज हॉल का भी निरीक्षण कर उसकी खूबियों के विषय में जानकारी लिया। महामहिम राज्यपाल एक घंटे 10 मिनट तक रामाज्ञा इंटर कॉलेज के प्रांगण में स्थित भतीजे के निवास में लोगो से शिष्टाचार मुलाकात किया।मौके पर उपस्थित एसडीएम मड़ियाहूं कुणाल गौरव ने बूके देकर स्वागत किया। उसके बाद महामहिम राज्यपाल श्री मिश्र गांव स्थित हनुमान मंदिर पर पहुंचे जहां दर्शन पूजन करने के बाद रामाज्ञा इंटर कॉलेज के प्रांगण में स्थित भतीजे के निवास स्थान पर गए जहां पर पहले से ही तैयार फोर्स के नौजवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। तदुपरांत महामहिम ने साहित्य मनीषी अंतर्राष्ट्रीय ख्यात प्राप्त विद्वान डॉक्टर यमुना शंकर

पांडेय उर्फ प्रकाश के द्वारा तीन पुस्तकों का विमोचन किया। इस मौके पर महामहिम ने मीडिया से नई शिक्षा नीति एवं अयोध्या और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर पर विस्तार से चर्चा किया। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्थाओं की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए शिक्षा में गुणवत्ता, नवाचार और अनुसंधान को बढावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति बड़ी व्यावहारिक है और आधुनिकीकरण है। पुरातन के साथ समन्वय स्थापित करने वाली है । शिक्षा के लिए आवश्यक राष्ट्रीय भावनाओं और बारिकियों का समावेश परिलक्षित हो रहा है। श्री मिश्र ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वयन किया जायेगा। राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जल्द ही लागू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण से देश को संस्कार व संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा।

पीयू के डा. आलोक वर्मा, अनुराग पाण्डेय फेलोशिप के लिए चयनित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भईया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डा. आलोक कुमार वर्मा का चयन विज्ञान अकादमी ग्रीष्मकालीन अनुसंधान फेलोशिपदृ 2024 के लिए हुआ है। इसी फेलोशिप में परास्नातक भौतिक विज्ञान विभाग के छात्र अनुराग पाण्डेय भी चयनित हुए हैं। यह कार्यक्रम भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली एवं भारतीय विज्ञान अकादमी, प्रयागराज द्वारा संयुक्त रुप से आयोजित किया जाता है। इस ग्रीष्मकालीन अनुसंधान कार्यक्रम के लिए डा वर्मा को राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली में दो माह का अध्येतावृत्ति अनुमोदित हआ है। यह प्रयोगशाला भारत में अन्तरराष्ट्रीय मात्रक प्रणाली का अनुरक्षण तथा राष्ट्रीय भार तथा

माप के मानकों का अंशांकन (कैलीब्रेशन) करती है। डा. वर्मा इस दौरान राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली में डा. एन. विजनय के साथ थर्मोइलेक्ट्रिक मैटेरियल की डिजाइन पर कार्य करेंगे। इस मैटेरियल की मदद से अपशिष्ट उष्मीय ऊर्जा को उपयोगी विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है। दुनिया भर में प्राथमिक ऊर्जा खपत का लगभग 70: रूपांतरण प्रक्रिया के दौरान बर्बाद हो जाता है। डा वर्मा के निर्देशन में लघु शोध कार्य कर रहे परास्नातक भौतिक विज्ञान विभाग के छात्र अनुराग पाण्डेय का भी चयन इस फेलोशिप कार्यक्रम में हुआ है। अनुराग पाण्डेय एस. आर. एम. विश्वविद्यालय अमरावती, आंध्र प्रदेश के प्रो. रंजीत थापा के निर्देशन में दो माह तक डी. एफ. टी. आधारित कम्प्यूटेशनल पद्धति का प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह, रज्जू भईया संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार यादव, प्रो. देवराज सिंह तथा संस्थान एवं परिसर के सभी शिक्षकों ने डा वर्मा तथा छात्र अनुराग पाण्डेय को बधाई दी।

25 मई को अपना वोट अवश्य करें - जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने मतदाता जागरूकता के लिए किया सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए सदभावना पुल पर बना ''मेरा वोट मेरी ताकत'' सेल्फी प्वाइंट

जौनपुर। लोग अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें, इसके लिए उन्हें विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है। लोकसभा चुनाव में शत–प्रतिशत मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए नई पहल की गई है। इस पहल के तहत मतदाता जागरूकता के लिए जिला धिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने वोटर सेल्फी प्वाइंट का शुभारंभ मंगलवार को सदभावना पुल पर किया। मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक करने हेतु सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है, जिसमें हिन्दी में लिखा है कि ''मेरा वोट मेरी ताकत'' ''मतदान तिथि 25 मई अपना वोट जरुर करें''।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से यह सेल्फी प्वाइंट तैयार किया गया है। ताकि इस पुल से गुजरने वाले राहगीर इस सेल्फी प्वाइंट से प्रेरित होकर यहाँ सेल्फी खींचें और सोशल मीडिया पर भी पोस्ट करें तथा मतदान करने के लिए संकल्प लें। स्वयं मतदान करें और अपने परिवार और आस पास के लोगों को भी मतदान करने के लिए जागरूक व प्रोत्साहित करें।उन्होंने विशेषकर बाहर रह रहे श्रमिकों जो यहाँ के मतदाता है उन सभी मतदाताओं से अपील किया कि 25 मई को आकर अपना वोट अवश्य करें।

बीपी सरोज बीजेपी से मछली शहर से पुनः उम्मीदवार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोकसभा मछलीशहर से भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से मछली शहर लोकसभा सीट से पुनः भोलानाथ सरोज पर विश्वास जताया है। भोलानाथ सरोज मूल रूप से जनपद जौनपुर के थाना मुंगरा बादशाहपुर क्षेत्र के गांव मदारडीह के रहने वाले हैं। एक जनवरी 1961 को जन्मे भोलानाथ सरोज ने अपने राजनीतिक कैरियर की शुरुआत 2014 लोकसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी से किया था।2014 में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रामचरित्र निषाद ने भोलानाथ सरोज को हरा दिया था।लोकसभा 2019 के चुनाव से पूर्व भारतीय जनता पार्टी ने अप्रत्याशित रूप से रामचरित्र निषाद का टिकट काटकर उस दौरान दो सप्ताह पूर्व भाजपा में शामिल हुए भोलानाथ सरोज को दे दिया। 2019 लोकसभा चुनाव में भोलानाथ सरोज अपने निकटतम प्रत्याशी बसपा गठबंधन के त्रिभुवन राम को 181 मतों से हराकर संसद भवन पहुंचे और भारतीय जनता पार्टी के विश्वास पर खरे उतरे।

थाना खेतासराय पुलिस ने अन्तर्जनपदीय शातिर बदमाश जैनूद्दीन शेख उर्फ मिथुन को 60 ग्राम अवैध मार्फीन के साथ किया गिरफ्तार

दैनिक देश की उपासना
क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर, डॉ0 अजय पाल शर्मा द्वारा लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर, श्री बृजेश कुमार के मार्गदर्शन एंव क्षेत्राधिकारी शाहगंज, श्री अजीत सिंह चौहान के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक खेतासराय जौनपुर के कुशल निर्देशन में उ0नि0 आशुतोष कुमार गुप्ता मय हमराह कर्मचारीगण द्वारा चेकिंग संदिग्ध व्यक्तिध्वाहन के दौरान कस्बा खेतासराय से कलापुर जाते समय कलापुर मोड़ से एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया, जिससे नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम जैनूद्दीन शेख उर्फ मिथुन उर्फ कबूतर पुत्र कमरुद्दीन निवासी ग्राम सैद गोरारी थाना खेतासराय जनपद जौनपुर बताया, जिसके कब्जे से 60 ग्राम अवैध मार्फीन बरामद हुआ। उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0– 75/24 धारा– 8/21 NDPS ACT का अभियोग पंजीकृत किया गया एवं अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है ।

गिरफ्तार अभियुक्त–

1. जैनूद्दीन शेख उर्फ मिथुन उर्फ कबूतर पुत्र कमरुद्दीन निवासी ग्राम सैद गोरारी थाना खेतासराय जनपद जौनपुर।

बरामदगी विवरण–

1– 60 ग्राम अवैध मार्फीन (अन्तर्राष्ट्रीय बाजार मे कीमत

600000/रु, छः लाख रुपये)

आपराधिक इतिहास–

1. मु0अ0सं0–76/21 धारा 307/336/34/504 भादवि थाना कटका जनपद अम्बेडकरनगर
2. मु0अ0सं0–67/21 धारा 336/380/411/506 भादवि थाना टाण्डा जनपद अम्बेडकरनगर
3. मु0अ0सं0–22/22 धारा 3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट थाना महरुआ जनपद अम्बेडकरनगर
4. मु0अ0सं0–135/21 धारा 323/336/379/411/427 भादवि थाना सम्मनपुर जनपद अम्बेडकरनगर
5. मु0अ0सं0–45/21 धारा 307/336/504/506 भादवि थाना कटका जनपद अम्बेडकरनगर
6. मु0अ0सं0–56/21 धारा 457/380/411 भादवि थाना महरुआ जनपद अम्बेडकरनगर
7. मु0अ0सं0–65/21 धारा 457/380/411 भादवि थाना महरुआ जनपद अम्बेडकरनगर
8. मु0अ0सं0–205/22 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना खेतासराय जनपद जौनपुर
9. मु0अ0सं0–75/24 धारा 8/21 NDPS ACT थाना खेतासराय जनपद जौनपुर।

गिरफ्तारी व बरमादगी करने वाली टीम–

1– श्री दीपेन्द्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक खेतासराय जनपद जौनपुर ।

2– उ0नि0 आशुतोष कुमार गुप्ता, थाना खेतासराय, जौनपुर ।

3– हे0का0 संजय पाण्डेय, थाना खेतासराय, जौनपुर।

4– हे0का0 अम्बिका प्रसाद यादव, थाना खेतासराय, जौनपुर।

थाना सरायख्वाजा पुलिस ने धारा– 366/376डी भादवि व 3/2/5 एसी एसटी एक्ट में वांछित अभियुक्त तनवीर अहमद को किया गिरफ्तार

दैनिक देश की उपासना
क्राइम ब्यूरो धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के कुशल निर्देशन व पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल मार्गदर्शन में शासन द्वारा चलाये जा रहे अपराध एवं अपराधियो पर रोक लगाने व वाछिंत अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के तहत प्र0नि0 श्री राजेश कुमार मिश्रा थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर के पर्यवेक्षण में थाना सरायख्वाजा पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 80/24 धारा 366/376डी भा0द0वि0 व 3(2)5 SC/ST ACT थाना सरायख्वाजा जौनपुर में वांछित अभियुक्त तनवीर अहमद पुत्र यार मोहम्मद निवासी मल्हनी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष को बैंक आफ बड़ौदा मल्हनी से आज दि0–10.04.2024 को गिरफ्तार किया गया तथा अभि0 तनवीर अहमद पुत्र यार मोहम्मद निवासी मल्हनी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही कर आज दि0– 10.04.24 को मा0 न्यायालय के समक्ष भेजा गया ।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण–

1– तनवीर अहमद पुत्र यार मोहम्मद निवासी मल्हनी थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष

आपराधिक इतिहास–

1.मु0अ0स0 80ध्24 धारा धारा 366/376डी भा0द0वि0 व 3(2)5 SC/ST ACT थाना सरायख्वाजा जौनपुर

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–

1– उ0नि0 प्रभुनाथ यादव थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर

2– हे0का0 अनिल सिंह थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर

3– का0 अरुण चौहान थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर।

शीतला धाम चौकिया में भोजपुरी सिनेमा कलाकार अक्षरा सिंह सहित हजारों भक्तों ने माथा ठेकाब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। पुर्वांचल की आस्था का केंद्र माँ शीतला धाम चौकिया में चौत्र नवरात्रि के प्रथम दिन चौकिया धाम से लेकर काली माता मंदिर तक लम्बी लाइन लगी रही। वही चार बजे भोर से ही शीतला धाम मंदिर के महंत विवेकानंद पन्डा ने अपने परिवार के साथ मां शीतला का पट खुलने व आरती होने के बाद दर्शनाथियों का दर्शन प्रारंभ कराया। पूरा क्षेत्र मां के जयकारे से गूंज उठा। दूर–दूर से आए लोगों ने मां का आशीर्वाद लिया ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्त मां शीतला के दरबार में सच्चे मन से शीश झुकाता है और जो भी मन्नत मांगता है वह जरूर पूरी होती है इस दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए काफी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया था। आज इस पावन पर्व पर मुंबई के भोजपुरी सिने स्टार अक्षरा सिंह व अंशुमान सिंह प्रोड्यूसर अविनाश एमपी सिंह विद्या सिंह अमित शुक्ला वही जौनपुर लोकसभा सदर के प्रत्याशी कृपा शंकर सिंह ने भी चौकिया धाम पहुंच दर्शन किया। सुरक्षा की दृष्टि से डेढ़ सेक्शन पीएसी के जवान 60 से 70 पुलिस और 20 महिला पुलिस की ड्यूटी लगाई गई है।

व्यापारियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए मजबूत व्यापारी वोट बैंक के रूप में स्थापित होना होगा - संजय गुप्ता

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के ष्मतदाता जागरूकता अभियानष के अंतर्गत प्रगति बाजार कपूरथला में शपथ कार्यक्रम का आयोजन हुआ। संगठन की कपूरथला इकाई के पदाधिकारियो ने प्रगति बाजार, कपूरथला में अनिवार्य मतदान की शपथ ली। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कपूरथला के व्यापारियों को अनिवार्य मतदान की शपथ दिलाई तथा सभी को अनिवार्य रूप से मतदान करने के लिए जागरूक किया। तथा व्यापारियों ने स्वयं वोट देने तथा दूसरों को वोट देने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। शपथ कार्यक्रम के बाद संगठन के पदाधिकारियो ने प्रगति बाजार, कपूरथला की दुकानों पर पदयात्रा निकालकर जनसंपर्क किया तथा व्यापारियों को अनिवार्य रूप से मतदान के लिए जागरूक किया इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा लोकतंत्र में नागरिकों के पास सबसे बड़ा हथियार वोट देने का अधिकार है सभी नागरिकों को इस हथियार का प्रयोग अवश्य करना चाहिए साथ ही साथ उन्होंने व्यापारियों से जाति धर्म से ऊपर उठकर वोट देने की अपील की तथा कहा व्यापारियों को मजबूत व्यापारी वोट बैंक के रूप में अपने आप को स्थापित करना होगा तभी उनकी समस्याओं का समाधान होगा। ट्रांस गोमती के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश अवस्थी ने बताया उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल का प्रयास है कि लोकसभा के इस चुनाव में अधिक से अधिक मतदान का प्रतिशत बढ़े संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी ने बताया शत–प्रतिशत मतदान के लिए आदर्श व्यापार मंडल राजधानी सहित प्रदेश के सभी जिलों में ष्मतदाता जागरूकता अभियानष चलाएगा उन्होंने बताया 15 अप्रैल से मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत पदयात्रा, मशाल जुलूस, पैदल मार्च मतदाता जागरूकता रैली निकाली जाएगी। प्रगति बाजार ,कपूरथला में आयोजित अनिवार्य मतदान शपथ कार्यक्रम में संगठन के ट्रांस गोमती वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश अवस्थी ,कपूरथला इकाई के अध्यक्ष राजवीर सिंह महामंत्री सुशील कुमार वर्मा ,महावीर प्रसाद मित्तल, राज लालवानी, निखिल लालवानी, मोहन मेघानी, किशोर जी, बाबू भाई, मोहित चनदानी, विक्की, चिंटू भाई,आशीष मिश्रा ,सनी आदि व्यापारी शामिल थे।

राम नवमी मेले में पर्याप्त संख्या में तैनात रहेंगे फायर ब्रिगेड व बाइक फायर टेंडर की गाड़ियां

अयोध्या। रामनवमी मेले को लेकर अग्निशमन विभाग भी तैयारी में जुट गया है।फायर विभाग में राम नवमी मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये शासन ने मांग के अनुसार चार फायर ब्रिगेड दस्ते को और भेजा है।इस बात की जानकारी देते हुए सीएफओ एमपी सिंह ने बताया कि राम नवमी मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये मेला क्षेत्र में आधा दर्जन फायर ब्रिगेड के दस्ते तैनात रहेंगे।उन्होंने बताया कि इसके अलावा मेला क्षेत्र में खासकर सकरी गलियों में बाइक फायर टेंडर पर सवार अग्निशमन कर्मी भ्रमणशील रहेगी।उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में फायर विभाग में कुल डेढ़ दर्जन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां हैं। राम नवमी मेले को देखते हुए अग्निशमन विभाग द्वारा शासन से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मांगे जाने पर शासन ने चार फायर ब्रिगेड दस्ते को अयोध्या भेजा।जो मेला मेला क्षेत्र में छः फायर ब्रिगेड के दस्ते चिन्हित स्थानों पर तैनात होगी।जिन मंदिरों पर ज्यादा भीड़ दिखाई देगी वहां पर बाइक फायर टेंडर तैनात रहेगी।

जल कल विभाग के महाप्रबंधक का उ0 प्र0 सीवर कर्मचारी परिषद द्वारा भव्य स्वागत

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। दिनांक 10 अप्रैल 2024 को जल कल विभाग के महाप्रबंधक मनोज आर्या जी का उत्तर प्रदेश सीवर कर्मचारी परिषद ने भव्य स्वागत किया। जिसमें सोनू कुमार धानुक (अध्यक्ष) शिव शंकर भारती (महामंत्री) शीतला प्रसाद वाल्मीकि (वरिष्ठ सलाहकार) संदीप अवस्थी, सैयद मुख्तार अली ,राजेश कुमार, राजेंद्र, रवि कुमार, राजेंद्र दयाशंकर, दिलीप , राजेंद्र कुमार, संतोष कुमार, जयराज , मोनू धानुक, गौरी शंकर, शिव कुमार आदि लोक उपस्थित रहे।

कार ने बाइक्स को मारी टक्कर, तीन की मौत

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) जगदीशपुर–शाहाबाद मार्ग पर बुधवार को एक कार ने दो बाइकों में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चचेरे भाइयों समेत तीन की मौत हो गई। कार अनियंत्रित होकर खाई में जा घुसी कार सवारों को राहगीरों ने पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार लोनार के ग्राम गदाईपुर के नरेश मजदूरी करते थे। बुधवार को वह बाइक से जगदीशपुर जा रहे थे। शाहाबाद जगदीशपुर मार्ग पर मेहरवान बगिया के पास अनियंत्रित कार ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में नरेश की मौके पर मौत हो गई। वहीं, कार ने दूसरी बाइक में भी टक्कर मारी, जिसमें बेहतगोकुल के ग्राम बिहगांवा के अशोक अपने चचेरे भाई सर्वेश घायल हो गए। हादसे के बाद कार अनियंत्रित होकर खाई में जा घुसी। राहगीरों ने सर्वेश और अशोक को एम्बुलेंस से वाबन सीएचसी भेजा, जहां डॉक्टर ने सर्वेश को मृत घोषित कर दिया। अशोक को मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, जहां डॉक्टर ने अशोक को भी मृत घोषित कर दिया। अशोक की बारात 18 अप्रैल को टड़ियावा के ग्राम भुड़िया जानी थी, इसके लिए कपड़े खरीदने जा रहे थे। रास्ते में दोनों की मौत से गांव में शोक व्याप्त है।

संविधान बचाना है तो मतदान अवश्य करें - अखिलेश यादव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि देश व संविधान बचाना है तो मतदान अवश्य करें। आगामी लोकसभा चुनाव देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है इसमें हर मतदाता का एक–एक वोट निर्णायक साबित होगा। इसलिए संविधान व देश को सुरक्षित रखने के लिए मतदान बेहद जरूरी है। लखनऊ स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में मीडिया कर्मियों को संबोधित करते हुए सपा अध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा जारी जनता का मांग पत्र हमारा अधिकार है। संपूर्ण समाज के अधिकार के लिए सपा वचनबद्ध है। एक सोच एक विचारधारा की पहल की जा रही है जिसमें पिछड़े दलित अल्पसंख्यक एवं आधी आबादी को बराबरी के मौके दिलाने के लिए जन आंदोलन किया जाएगा। समाज के सभी गरीब कमजोर वर्गों को साथ लेकर उनके विकास के लिए पार्टी कार्य करेगी। सपा अध्यक्ष ने कहा कि देश के हर नागरिक को संवैधानिक अधिकार प्राप्त है जिसमें संविधान बचाने लोकतंत्र की रक्षा मीडिया की आजादी लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता व स्वायत्तता तथा न्याय और समानता का अधिकार शामिल है। श्री यादव ने कहा कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो 1 साल में जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी जिसके आधार पर अगले 5 साल में सबको न्याय एवं हिस्सेदारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि अगले 1 साल तक अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के सभी सरकारी रिक्त पदों को भी उनकी पार्टी भर देगी। सपा अध्यक्ष ने अगले 5 साल में देश को भूख से मुक्त व गरीबी के पूर्ण उन्मूलन का वादा भी किया। उन्होंने कहा कि सपा मनरेगा की मजदूरी बढ़ाकर रू450 करेगी तथा कार्य के दिन 150 कर देगी। उन्होंने कहा कि मनरेगा की तर्ज पर शहरी बेरोजगारों को भी रोजगार दिया जाएगा और युवाओं के लिए लैपटॉप वितरण योजना पूरे देश में लागू की जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि अग्निवीर नीति का सपा पूरी तरह विरोध करती है और यदि वह सत्ता में आई तो इसे समाप्त कर देगी। रेलवे समेत सार्वजनिक परिवहन में वरिष्ठ नागरिकों को 50 फीसदी छूट देने की बात भी उन्होंने कही।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर ज्ञान मती की पित्त की पथरी निकाल कर दिया तोहफा – डा एस बी तिवारी लिम्का बुक रिकार्डर.....

मृत्युंजय प्रताप सिंह

विश्व होम्योपैथी दिवस 10 अप्रैल को विश्व विख्यात गुर्दा रोग विशेषज्ञ 23000 से भी अधिक पथरी, हजारों डायलिसिस, सैकड़ो मोटर न्यूरॉन डिजीज जैसे अनेकों असाध्य बीमारियों को ठीक कर कीर्तिमान स्थापित कर चुके लिम्का बुक रिकॉर्डर, अपना कल्याणम परिवार के राष्ट्रीय संस्थापक, चिकित्सा प्रकोष्ठ अवध क्षेत्रिय प्रभारी ,टाटा मोटर्स लखनऊ के वरिष्ठ परामर्श चिकित्सक डा एस बी तिवारी ने बाराबंकी की ज्ञानमती की चिकित्सा जगत के लिए असंभव हो चुकी पित्त की थैली की पथरी निकालकर एक अनमोल तोहफा दिया ।अभी तक चिकित्सा जगत यही मान रही है कि एक बार पित्त की थैली की पथरी हो जाए तो उसे दवा से नहीं निकाला जा सकता परंतु आज पथरी का नाम आते ही विश्वास के पर्याय बन चुके डॉक्टर तिवारी कल्याण जी पुनः एक प्रमाण आम जनमानस के सामने विश्व होम्योपैथी दिवस पर रखें । बाराबंकी की ज्ञानमती जो मात्र ढाई महीने के कल्याणम सेवा में इलाज काराई और उनकी पित की पथरी निकल गई। यहां तक की जिस चिकित्सक ने उनका जांच किया वह खुद हैरान है कि आखिर पित्त की थैली की पथरी कैसे निकल गई ।तो साथियों यह कोई चमत्कार की बात नहीं है यह होम्योपैथी की गहराई है जो अभी तक हम शायद नहीं समझ पाए थे। अपने जज्बे और जोश के दम पर डॉक्टर तिवारी जी आम जनमानस के सामने हजारों प्रमाणों के द्वारा प्रमाण ला रहे हैं । वे नित्य प्रमाण के साथ जब आम जनमानस के सामने अपनी प्रस्तुति रखते हैं तो कहीं ना कहीं लोगों की मजबूरी हो जाती है कि आखिर चिकित्सा जगत में निश्चित रूप से बदलाव की जरूरत है। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति पित्त की थैली के पथरी के मरीजों के लिए सचमुच में किसी प्रधान से काम नहीं है। यह भ्रांतियां दिलो दिमाग से निकलने की जरूरत है। हो सकता है की सारी पथरी पित्त की ना निकल पाए परंतु ऐसा कहना बिल्कुल गलत है कि पित्त की पथरी निकल ही नहीं सकती। डॉक्टर तिवारी ने ऐसे हजारों प्रमाण को देकर के आम जनमानस में एक ऐसा विश्वास का स्थापित किया है जिसे दरकिनार भी नहीं किया जा सकता।

डॉक्टर तिवारी जी आज देश दुनिया में चिकित्सा जगत में विश्वास की पर्याय बनकर उभरे हैं वह अपनी दवाई दूर स्थित लोगों तक कोरियर एवं डाक सेवा के द्वारा भी पहुंचते हैं आज देश के कोने–कोने में लोग कल्याणम सेवा का लाभ ले रहे हैं और विश्वास के साथ जब ठीक होते हैं तो दुआएं भी देते हैं। डॉक्टर तिवारी जी सिर्फ एक चिकित्सक ही नहीं महान योगी ,समाजसेवी, कवि, भारतीय संस्कृति खास तौर से अध्यात्म में गहरी रुचि रखते हैं ।और अपने भारतीय संस्कृति को जागृत करने की सदैव कोशिश करते रहते हैं। लगभग 500 से ज्यादा कविताएं लिखकर वो एक मुखर एवं समसामयिक रचनाओं के मूर्धन्य कभी भी हैं। अत्यंत ही मिलनसार सहज सरल एवं व्यक्तित्व के धनी डॉक्टर तिवारी कल्याणजी की यथा नाम तथा गुण यश एवं कृति जन जन तक फैला कर भारतवर्ष का नाम रोशन कर रहे हैं ।उनका जुझा रूपन एवं दृढ़ निश्चयी व्यक्तित्व चिकित्सा जगत के लिए अत्यंत ही सुखद है एवं सराहनीय है।

जिसमें जितना जर्फ है वो उतना ही खामोश है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राम उग्रह शुक्ल प्रत्याशी सदस्य पद हेतु बार काउन्सिल ऑफ उत्तर प्रदेश ने बताया कि आज मैंने अयोध्या जाकर श्रीराम लला की पावन नगरी का दर्शन करके वहाँ की माटी से जीत का आशीर्वाद लिया। जहाँ हमारे हॉस्टल के साथियों से कई वर्ष बाद भेंट हुई राजीव पांडेय जो कई बार अयोध्या बार के पदाधिकारी भी रहें है वहाँ कई विद्वान अधिवक्ता मिले जो तन मन धन से हमारे साथ हैं। इन लोगों ने वहाँ रजनीश त्रिपाठी रोहित पांडेज सुधाकर मिश्रा राम इकबाल वर्मा अनिल दुबे इंद्रप्रकाश पांडे संतोष कुमार तिवारी रवि पाठक महफूज उस्मानी संजय त्रिपाठी के. के उपाध्याय रमेश सोनी अजय श्रीवास्तव राम इकबाल वर्मा इंद्र देश कुमार त्रिपाठी संजीव त्रिपाठी रवि कुमार पांडे दुर्गा प्रसाद सिंह अनीता पाठक देवेंद्र मणि त्रिपाठी गोपाल कृष्ण मिश्रा रजनीश त्रिपाठी से मुलाकात करवाई,मीटिंग में अधिवक्ता हित के कई मुद्दे तय हुए लोगों ने कहा कि फिर आइये तब पूरे कैम्पस में सबसे मुलाकात और मीटिंग होगी। हर चौंबर पर सबसे मिलवाऊंगा सबने कहा शुक्ला जी इस बार हम लोगों ने आपको चुनाव जिताने के लिए संकल्प ले लिए है, हम इस बार अधिवक्ता हित का सौदा करने वाले लोगों का हम सभी बायकाट कर रहें हैं ध नबल को चुनाव में खत्म करेंगे और एक नया अध्याय लिखेंगे, ये राम की पावन भूमि है यहां से एक मैसेज जायेगा कि सोने के बनें मारीचों को जो लालच और बहलावे फुसलावे की नींव पर चुनाव में खड़े हैं अगर उनको नहीं भगाओगे तो ये हमें बेच देंगे और हमारी लड़ाई में हमें नीचा दिखाएंगे। अधिवक्ता अपनी अस्मिता और शौर्य को खो देगा, हमारी एकता में बल है और रहेगा बिकाऊ नहीं जुझारू, लड़ाकू और टिकाऊ को ही चुनेंगे, मैं अधिवक्ता भाइयों के इन विचारों से बहुत खुश हूं और उन्हें दिल से मैं साधुवाद धन्यवाद देता हूं कि मैं किसी भी अधिवक्ता हित की लड़ाई में आपके सम्मान को खत्म नहीं होने दूंगा। यह भगवान राम जन्मभूमि की पावन भूमि से आज से सब अधिवक्ता भाइयों से मेरा वादा है। अधिवक्ता भाइयों ने मेरे लिए एक दो शब्द कहे हैं क्योंकि मैं चुनाव सभी से मिलकर लड़ रहा हूँ कोई दिखावा या सब्जबाग नहीं बाट रहा हूँ..

जोश–ए–दरिया से कह रहा है समंदर का सुकून,

जिसमें जितना जर्फ है वो उतना ही खामोश है।

नौनिहालों ने स्कूल चलो के नारों सहित, लोगों को लोकतंत्र के महापर्व पर वोट जरूर देने का किया अपील

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देशन में चल रहे स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा गोरखनाथ पटेल के नेतृत्व में परिषदीय विद्यालयों मे स्कूल चलो अभियान व मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए रहे हैं। इसी कड़ी में आज प्राथमिक विद्यालय प्यारेपुर ब्लाक करंजाकला में स्कूल चलो अभियान व मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई। रैली को जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के माध्यम से ग्रामीण इलाकों में संपूर्ण नामांकन कराने और बच्चों को स्कूल भेजने के साथ–साथ मतदाताओं को मतदान करने हेतु जागरूक किया गया। रैली में बच्चे तख्ती पर लिखे स्लोगन आधी रोटी खायेंगे, स्कूल जरूर जाएंगे, दीप से दीप जलाएंगे, साक्षर देश बनाएंगे, हम भी स्कूल जाएंगे, पापा मम्मी का मान बढ़ाएंगे, हम बच्चों का नारा है, शिक्षा अधिकार हमारा है, मम्मी पापा हमें पढ़ाओ, स्कूल में जाकर नाम लिखाओ, शिक्षा ऐसी सीढ़ी है, जिससे चलती पीढ़ी है। छोड़ो अपने सारे काम, पहले चलो करो मतदान। मम्मी पापा भूल न जाना, 25 मई को मतदान करना। बूढ़े हो या जवान, सभी करें मतदान। आदि नारों के साथ बोलते हुए गांव में भ्रमण करते रहे। रैली में छात्रों संग चल रहे शिक्षकों द्वारा दुकानों, घरों व चौराहे पर मिलने वाले लोगो से स्कूल में छात्र नामांकन व मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की गई। अभिभावकों ने भी बहुत उत्साहपूर्वक नामांकन कराने व मतदान करने की बात दोहराई। इस अवसर पर जिला स्वीप कोआर्डिनेटर ने कहा कि हर घर शिक्षा का दीप जलेगा तब जाकर अंधकार मिटेगा, इसलिए अभिभावकों से अपील है कि अपने बच्चों का नामांकन नजदीक के सरकारी स्कूलों में अवश्य कराये, और प्रतिदिन बच्चों को विद्यालय भेजते रहे। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मनपसंद सरकार चुनने के लिए प्रत्येक नागरिक को पांच वर्ष में यह अवसर मिलता है इसलिए आगामी 25 मई को लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग कर मजबूत लोकतंत्र की नींव रखने में योगदान दें। शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन कराये और शत प्रतिशत मतदान करें। स्कूली बच्चों ने संकल्प लिया कि वो मतदान के लिए अपने परिजनों सहित आस–पड़ोस और गांव के लोगों को जागरूक करेंगे, जिससे मतदान प्रतिशत में बढोतरी हो सकेगी। इस मौके पर प्रभारी प्रधानाध्यापिका नुजहत अंसारी, शिक्षिकाएं नीता गुप्ता, फरह परवीन, प्रतिमा गुप्ता, निधि मौर्या व शिक्षा मित्र प्रियंका श्रीवास्तव सहित छात्र छात्राएं व गांव के लोग उपस्थित रहे।

राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कालेज एवं अस्पताल

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। डॉ. सैमुअल हैनीमैन की जयंती के उपलक्ष्य में हर साल 10 अप्रैल को विश्व होम्योपैथी दिवस मनाया जाता है। ये एक जर्मन चिकित्सक थे और और होम्योपैथी के संस्थापक थे। इसी क्रम में आज दिनांक 10 अप्रैल 2024, दिन बुधवार को, निदेशक होम्योपैथी, प्रो. (डॉ.) अरविंद कुमार वर्मा जी के द्वारा डॉ. सैमुअल हैनिमैन जी के मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। प्राचार्य प्रो. (डॉ.) डी. के. सोनकर के मार्गदर्शन में डॉ. हैनिमैन का 269 वा जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर महाविद्यालय के प्राचार्य ने कहा कि हम सभी को हैनिमैन जी के बताए रास्ते पर चलना चाहिये। हर साल इस दिन को एक खास थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। साल 2024 के लिए थीम है–होम्योपरिवार–एक स्वास्थ्य, एक परिवार आज के कार्यक्रम के माध्यम से जनमानस को होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति अपनाने के लिए जागरूक किया गया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) एस. एस. पाल, डॉ. राजेश गौतम, डॉ राजकुमार कश्यप, डॉ. जितेंद्र कुमार, डॉ. विनय शंकर तिवारी, डॉ. तृप्ति गुप्ता, डॉ प्रियंका भट्ट, डॉ, अंजनी कुमार सिंह डा. मानसी एव कॉलेज के समस्त छात्र एव छात्राये उपस्थित रहे।

फीनिक्स पलासियो के फीनिक्स शापिंग फेस्टिवल सेल में सौरभ गुप्ता ने जीती शानदार एमजी हेक्टर कार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। फीनिक्स पलासियो द्वारा आयोजित फीनिक्स शॉपिंग फेस्टिवल सेल में सौरभ गुप्ता का नाम भाग्यशाली विजेता के रूप में घोषित हुआ है। फीनिक्स पलासियो ने श्री सौरभ और उनके परिवार को उनके द्वारा जीती गई शानदार एमजी हेक्टर के स्पेशल की हैंडओवर सेरेमनी में आमंत्रित किया। फीनिक्स पलासियो मैनेजमेंट ने इस असाधारण जीत पर श्री सौरभ को हार्दिक बधाई दी और फीनिक्स शॉपिंग फेस्टिवल सेल में उनकी भागीदारी की सराहना की। कार की चाभियां ग्रहण कर अपना आभार और खुशी व्यक्त करते हुए श्री सौरभ गुप्ता ने कहा, फीनिक्स पलासियो का भाग्यशाली शॉपर बनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। निस्संदेह मॉल मनोरंजन का सबसे अच्छा स्थान है, फूड कोर्ट और ब्रांडेड शोरूम हैं जो आकर्षक छूट और ऑफर्स प्रदान करते हैं। यही सारी विशेषताएं मुझे आकर्षित करती हैं यहां बार बार कर शॉपिंग करने के लिए। सीनियर सेंटर डायरेक्टर फीनिक्स मिल्स, श्री संजीव सरीन ने कहा, ष्हमें श्री सौरभ को भव्य पुरस्कार देकर और हमारी फीनिक्स शॉपिंग फेस्टिवल सेल का हिस्सा बनने के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए अपर प्रसन्नता हुई। यह कार्यक्रम उनकी जीत का जश्न मनाने और हमारे सभी शॉपर्स को धन्यवाद व्यक्त करने का अवसर था।

बच्चों में उत्साह भर रहा डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन यूनिट लोनी का खुशहाली शिक्षा कार्यक्रम

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

हरदोई। डीसीएम श्रीराम फाउंडेशन यूनिट लोनी के अंतर्गत आयोजित खुशहाली शिक्षा कार्यक्रम और सहयोगी संस्था प्रथम एजुकेशन फाउण्डेशन के सहयोग से इलाकाई ग्राम लोनी, गढ़ी चांद खां, कठमा और नगला गनेश में भव्य लर्निंग कैंप का आयोजन कर नन्हे मुन्ने बच्चों को पुरस्कृत किया गया। कई दिन तक चले इस कार्यक्रम के समापन समारोह को बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान रामप्रताप ने फीता काटकर किया जिसके बाद उपस्थित सहयोगी व सभी गणमान्य अभिभावकों और बच्चों का रोली चंदन लगाकर स्वागत हुआ। तत्पश्चात बच्चों ने सरस्वती वंदना बेहतरीन अंदाज में प्रस्तुत कर मौजूद जनों का दिल जीता। बाद में लर्निंग कैम्प में प्रतिभागी स्वयंसेवियों को डायरी पेन प्रमाण पत्र एवं अभिभावकों की उपस्थिति में बच्चों को पुरस्कार के साथ प्रगति रिपोर्ट कार्ड देकर उनके अभिभावकों को बच्चों के पढ़ाई स्तर संबंधी जानकारी दी गई। इस मौके

पर प्रथम टीम सदस्य रामऔतार, अमित कुमार, त्रिपुरारी गौतम, शर्मिला सिंह आदि मौजूद रही।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R/-1

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।